



धर्मनिरपेक्षता

drishtiias.com/hindi/printpdf/secularism-3

1. संदर्भ

- धर्मनिरपेक्षता का शाब्दिक अर्थ है: धर्म से अलग
- तर्कसंगत और वैज्ञानिक सोच
- विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत मामला
- जीवन के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं से धर्म
- धर्म से राज्य का विघटन
- सभी धर्मों की पूर्ण स्वतंत्रता और सहिष्णुता
- सभी धर्मों के अनुयायियों के लिये समान अवसर
- धर्म के आधार पर कोई भेदभाव और पक्षपात नहीं

2. भारत के इतिहास में धर्मनिरपेक्षता

- वेद और उपनिषद् धार्मिक बहुलता पर प्रकाश डालते हैं
- सम्राट अशोक- राज्य किसी भी धार्मिक संप्रदाय का अनुसरण
- सूफ़ी और भक्ति आंदोलन ने भी विभिन्न समुदायों के लोगों को मोड़नुसीन ख़िस्ती, बाबा फरीद, कबीर, गुरु नानक देव आदि
- मध्यकालीन भारत- अकबर ने बलापूर्वक धर्मांतरण को रोक कर दिया
 - ▶ 'दीन-ए-इलाही' में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के तत्व
 - ▶ 'सुलह-ए-कुल' की अवधारणा या धर्मों के बीच शांति
 - ▶ 'इबादतखाना' या पूजा का कक्ष
- राय शिक्कोह ने हिंदू दर्शन का अध्ययन किया और विभिन्न धर्मों का प्रयास किया
- आधुनिक भारत- अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की
 - ▶ 1905 में ब्रिटिशों ने बंगाल का विभाजन किया
 - ▶ 1909 के भारतीय परिषद् अधिनियम ने अलग निर्वाचक
 - ▶ भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने इस प्रावधान को अन्त
 - ▶ 1932 का रैमसे मैकडोनाल्ड सांप्रदायिक पुरस्कार जो भा
 - ▶ तहत प्रतिनिधित्व का आधार बना
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान धर्मनिरपेक्षता को मजबूत
 - ▶ उदारवादी नेताओं ने राजनीति में धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण अ
 - ▶ 1928 की ऐतिहासिक नेहरू समिति में धर्मनिरपेक्षता पर
 - ▶ गांधीजी की धर्मनिरपेक्षता- भाईचारा, सम्मान और सच्च
 - ▶ नेहरू की धर्मनिरपेक्षता- वैज्ञानिक मानवतावाद के लिये